CBSE Class 7 Social Science Important Questions History Chapter 7 क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
प्रत्येक क्षेत्र को हम किन खास चीजों से जोड़ते हैं?
उत्तर:
प्रत्येक क्षेत्र को हम कुछ खास किस्म के भोजन, वस्त्र, काव्य, नृत्य, संगीत और चित्रकला से जोड़ते हैं।

प्रश्न 2.
चेर क्षेत्र में कौनसी भाषा बोली जाती थी?
उत्तर:
चेर क्षेत्र में मलयालम भाषा बोली जाती थी।

प्रश्न 3.
14वीं सदी में कौनसा ग्रंथ मणि प्रवालम शैली में लिखा गया था?
उत्तर:
14वीं सदी में व्याकरण एवं काव्यशास्त्र विषयक लीला तिलकम्' ग्रंथ मणि प्रवालम शैली में लिखा गया था।

प्रश्न 4.
मणि प्रवालम शैली क्या है?
उत्तर:
मणि प्रवालम शैली में दो भाषाओं-संस्कृत तथा क्षेत्रीय भाषा का साथ-साथ प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न 5.
जगन्नाथ मूलतः क्या थे?
उत्तर:
जगन्नाथ मूलतः एक स्थानीय देवता थे, जिन्हें आगे चलकर विष्णु का रूप मान लिया गया।

प्रश्न 6.
अनंतवर्मन कौन था?
उत्तर:
12वीं शताब्दी में गंग वंश का एक अत्यन्त प्रतापी राजा अनंतवर्मन हुए जिसने पुरी में जगन्नाथ के लिए एक मंदिर बनवाने का निश्चय किया।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
किसने स्वयं को जगन्नाथ का 'प्रतिनियुक्त' घोषित किया?
उत्तर:
1230 ई. में राजा अनंगभीम तृतीय ने स्वयं को जगन्नाथ का प्रतिनियुक्त घोषित किया।

प्रश्न 8.
कत्थक कौन थे?
उत्तर:
कत्थक मूलतः उत्तर भारत के मंदिरों में कथा सुनाने वाले कथाकार थे जो अपने हाव-भाव तथा संगीत से अपने कथावाचन को अलंकृत किया करते थे।

प्रश्न 9.
कत्थक ने नृत्य शैली का रूप कब धारण किया?
उत्तर:
15वीं तथा 16वीं शताब्दियों में भक्ति आंदोलन के प्रसार के साथ कत्थक ने एक विशिष्ट नृत्य शैली का रूप धारण कर लिया।

प्रश्न 10.
कत्थक नृत्य किन स्थानों पर विकसित हुआ?
उत्तर:
कत्थक नृत्य परम्परा दो घरानों में विकसित हुई(1) जयपुर (राजस्थान) और (2) लखनऊ (उत्तरप्रदेश)।

प्रश्न 11.
कत्थक की प्रस्तुति में किन बातों पर बल दिया जाता है?
उत्तर:
कत्थक की प्रस्तुति में क्लिष्ट तथा द्रुत पद संचालन, उत्तम वेशभूषा तथा कहानियों के प्रस्तुतीकरण एवं अभिनय पर बल दिया जाता है।

प्रश्न 12.
लघुचित्र से क्या आशय है?
उत्तर:
लघुचित्र छोटे आकार के चित्र होते हैं, जिन्हें प्रायः जलरंगों से कपड़े या कागज पर चित्रित किया जाता है।

प्रश्न 13.
प्राचीनतम लघुचित्र किस वस्तु पर चित्रित किए गए थे?
उत्तर:
प्राचीनतम लघुचित्र तालपत्रों अथवा लकड़ी की तख्तियों पर चित्रित किए गए थे।

प्रश्न 14.
मुगल साम्राज्य में लघुचित्र प्राथमिक रूप में कहाँ चित्रित किए जाते थे?
उत्तर:
मुगल साम्राज्य में लघुचित्र प्राथमिक रूप से इतिहास और काव्यों की पाण्डुलिपियों में चित्रित किये जाते थे।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 15.
मुगल साम्राज्य के पतन के बाद लघुचित्र परम्परा राजस्थान के किन क्षेत्रों में विकसित हुई?
उत्तर:
मुगल साम्राज्य के पतन के बाद लघुचित्र परम्परा मेवाड़, जोधपुर, कोटा, बूंदी और किशनगढ़ जैसे केन्द्रों में विकसित हुई।

प्रश्न 16.
बसोहली शैली क्या है?
उत्तर:
हिमालय की तलहटी में 17वीं सदी के बाद लघुचित्रकला की एक भावप्रवण शैली का विकास हुआ, जिसे बसोहली शैली कहा जाता है।

प्रश्न 17.
महोदयपुरम् क्या था?
उत्तर:
महोदयपुरम् केरल राज्य में चेर शासकों द्वारा शासितं राज्य था।

प्रश्न 18.
रासलीला से क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
भगवान राधा-कृष्ण के पौराणिक आख्यानों का लोकनाट्य के रूप में प्रस्तुतीकरण रासलीला कहलाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश में कितने नृत्य रूपों को शास्त्रीय नृत्य रूपों में मान्यता मिली है? इनके नाम लिखिए।
उत्तर:
स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश में छः नृत्य रूपों को शास्त्रीय नृत्य रूपों के रूप में मान्यता मिली है। ये हैं-

- भरतनाट्यम (तमिलनाडु)
- कथाकली (केरल)
- ओडिसी (उड़ीसा),
- कुचिपुडि (आंध्रप्रदेश)
- मणिपुरी (मणिपुर)
- कत्थक (उत्तरप्रदेश, राजस्थान)।

प्रश्न 2.
क्षेत्रीय संस्कृतियाँ किस प्रकार विकसित हई?
उत्तर:
क्षेत्रीय संस्कृतियाँ एक जटिल प्रक्रिया से विकसित हुई हैं। इस प्रक्रिया के तहत स्थानीय परम्पराओं और उपमहाद्वीप के अन्य भागों के विचारों के आदान-प्रदान ने एक-दूसरे को सम्पन्न बनाया है। कुछ परंपराएँ तो

https://www.evidyarthi.in/

कुछ विशेष क्षेत्रों की अपनी हैं, जबकि कुछ अन्य भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में एक समान प्रतीत होती हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ अन्य परंपराएँ एक खास इलाके के पुराने रीति-रिवाजों से निकली हैं, लेकिन अन्य क्षेत्रों में जाकर इन्होंने एक नया रूप ले लिया है।

प्रश्न 3.
भाषा और क्षेत्र के बीच के अन्तःसंबंध को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भाषा और क्षेत्र के बीच घनिष्ठ अन्तःसंबंध पाया जाता है। इसे महोदयपुरम के चेर राज्य और मलयालम भाषा के अन्तःसम्बन्ध के उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है। यथा-
महोदयपुरम का चेर राज्य, वर्तमान केरल राज्य के एक क्षेत्र में नौवीं शताब्दी में स्थापित हुआ। संभवतः मलयालम भाषा इस क्षेत्र में बोली जाती थी। शासकों ने अपने अभिलेखों में इस भाषा एवं लिपि का प्रयोग किया। इसके साथ ही चेर लोगों ने संस्कृत की परम्पराओं से भी बहुत कुछ ग्रहण किया। इस भाषा की 'मणि प्रवालम' शैली-संस्कृत और क्षेत्रीय भाषा के साथ-साथ प्रयोग को स्पष्ट करती है।

प्रश्न 4.
"पुरी में क्षेत्रीय संस्कृति, क्षेत्रीय धार्मिक परम्पराओं से विकसित हुई।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
पुरी में क्षेत्रीय संस्कृति क्षेत्रीय धार्मिक परम्पराओं से विकसित हुई। पुरी (उड़ीसा) में जगन्नाथ सम्प्रदाय इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। जगन्नाथ का शाब्दिक अर्थ है-दुनिया का मलिक जो विष्णु का अवतार है। आज तक जगन्नाथ की काष्ठ प्रतिमा, स्थानीय जनजातीय लोगों द्वारा बनाई जाती है जिससे यह तात्पर्य निकलता है कि जगन्नाथ मूलतः एक स्थानीय देवता थे, जिन्हें आगे चलकर विष्णु का रूप मान लिया गया।

प्रश्न 5.
"जहाँ आज का अधिकांश भाग राजस्थान स्थित है, 19वीं सदी में इस क्षेत्र को राजपूताना कहा जाता था।" क्यों? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
लगभग आठवीं शताब्दी से आज के राजस्थान के अधिकांश भाग पर विभिन्न परिवारों के राजपूत राजाओं का शासन रहा। ये शासक ऐसे शूरवीरों के आदर्शों को अपने हृदय में संजोए रखते थे, जिन्होंने रणक्षेत्र में बहादुरी से लड़ते हुए अक्सर मृत्यु का वरण किया, वरन् पीठ नहीं दिखाई। इन कहानियों में अक्सर नाटकीय स्थितियों, स्वामिभक्ति, मित्रता, प्रेम, शौर्य, क्रोध आदि प्रबल संवेगों का चित्रण है। इस प्रकार राजपूतों ने राजस्थान को एक विशिष्ट संस्कृति भी प्रदान की। इस कारण राजस्थान को 19वीं सदी में राजपूताना कहा जाता था।

प्रश्न 6.
क्या चारण-भाटों द्वारा रचित कहानियों में महिलाओं को भी स्थान प्राप्त था?
उत्तर:
हाँ, चारण-भाटों द्वारा रचित कहानियों में महिलाओं को भी स्थान प्राप्त था। यथा-

- कभी-कभी वे झगड़े के कारण के रूप में कहानियों में विद्यमान हैं। इन कहानियों में बताया गया है कि पुरुष स्त्रियों को जीतने के लिए अथवा उनकी रक्षा के लिए आपस में लड़ते थे।
- कहीं-कहीं यह भी चित्रित किया गया है कि स्त्रियाँ अपने शूरवीर पतियों के जीवन-मरण, दोनों में अनुसरण करती थीं।

- सती प्रथा का भी कुछ कहानियों में उल्लेख हुआ है।

प्रश्न 7.
मुगलकालीन लघुचित्र परम्परा की विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर:
लघुचित्र छोटे आकार के चित्र होते हैं, जिन्हें प्रायः जल रंगों से कपड़े या कागज पर चित्रित किया जाता है। मुगल बादशाह अकबर, जहाँगीर और शाहजहाँ के काल में यह परम्परा इतिहास और काव्यों की पांडुलिपियों के चित्रण में विकसित हुई। ये पांडुलिपियाँ आमतौर पर चटक रंगों में चित्रित की जाती थीं और उनके दरबार के दृश्य, लड़ाई व शिकार के दृश्य और सामाजिक जीवन के अन्य पहलू इनमें चित्रित किये जाते थे।

प्रश्न 8.
मुगल साम्राज्य के पतन के बाद क्षेत्रीय राज्यों में लघ चित्र परम्परा का विकास किस प्रकार हआ?
उत्तर:

- मुगल साम्राज्य के पतन के बाद मुगल दरबार के अनेक चित्रकार नए उभरने वाले क्षेत्रीय राज्यों के दरबारों में चले गये। परिणामस्वरूप मुगलों की कलात्मक रुचियों ने दक्षिण के क्षेत्रीय दरबारों और राजस्थान के राजपूती दरबारों को प्रभावित किया।
- मुगल उदाहरणों का अनुसरण करते हुए इन राज्यों में भी शासकों एवं उनके दरबारों के दृश्य चित्रित किए गए।
- इसके साथ-साथ मेवाड़, जोधपुर, बूंदी, कोटा और किशनगढ़ जैसे केन्द्रों में पौराणिक कथाओं तथा काव्यों के विषयों का चित्रण बराबर जारी रहा।

प्रश्न 9.
बसोहली शैली क्या है? यह कहाँ विकसित हुई?
उत्तर:
बसोहली शैली लघु चित्रों की परम्परा में एक लघु चित्र शैली है। 17वीं सदी के बाद वाले वर्षों में आधुनिक हिमाचल प्रदेश के इर्द-गिर्द हिमालय की तलहटी के क्षेत्र में लघुचित्रकला की एक साहसपूर्ण एवं भावप्रवण शैली का विकास हुआ, जिसे 'बसोहली' शैली कहा जाता है। यहाँ जो सबसे लोकप्रिय पुस्तक चित्रित की गई थी, वह थीभानुदत्त की रस मंजरी।

प्रश्न 10.
कांगड़ा शैली का विकास किस प्रकार हुआ?
उत्तर:
1739 ई. में नादिरशाह के आक्रमण और दिल्ली विजय के परिणामस्वरूप मुगल कलाकार, मैदानी क्षेत्रों की अनिश्चितताओं से बचने के लिए पहाड़ी क्षेत्रों की ओर पलायन कर गये। उन्हें वहाँ जाते ही आश्रयदाता तैयार मिले, जिसके फलस्वरूप चित्रकारी की कांगड़ा शैली का विकास हुआ।

प्रश्न 11.
कांगड़ा शैली की क्या विशेषताएँ थीं?
उत्तर:

- कांगड़ा शैली लघु चित्र परम्परा की एक लघु चित्र शैली है।

https://www.evidyarthi.in/

- इस चित्र शैली की प्रेरणा स्रोत वहाँ की वैष्णव परम्पराएँ थीं।
- ठंडे नीले और हरे रंगों सहित कोमल रंगों का प्रयोग और विषयों का काव्यात्मक निरूपण कांगड़ा शैली की प्रमुख विशेषता थी।

evidyarthi